खूब बिका नकली बीज, किसानों को करोड़ों का नुकसान

कृषि विभाग की लापरवाही, 50 करोड़ का किसानों को नुकसान

अलवर

Published: January 05, 2022 01:53:25 am

अलवर. जिले में इस समय प्याज की आवक मंडियों में समाप्त होने को है। इस बार प्याज में लगे जलेबी रोग ने किसानों का करीब 50 करोड़ रुपए का नुकसान किया है। इसका मुख्य कारण ही अलवर में प्याज के नकली बीजों से फसल की बुवाई होना है। प्याज के नकली बीजों के मामले को पत्रिका ने उठाया था। इस बारे में आढ़ती जितेन्द्र सैनी ने बताया कि इस बार प्याज में रोग लगने के कारण कम से कम 30 प्रतिशत फसल तो खराब हो गई जिसके कारण किसानों को बहुत नुकसान हुआ। इससे अब आई प्याज की फसल की गुणवत्ता कमजोर है।

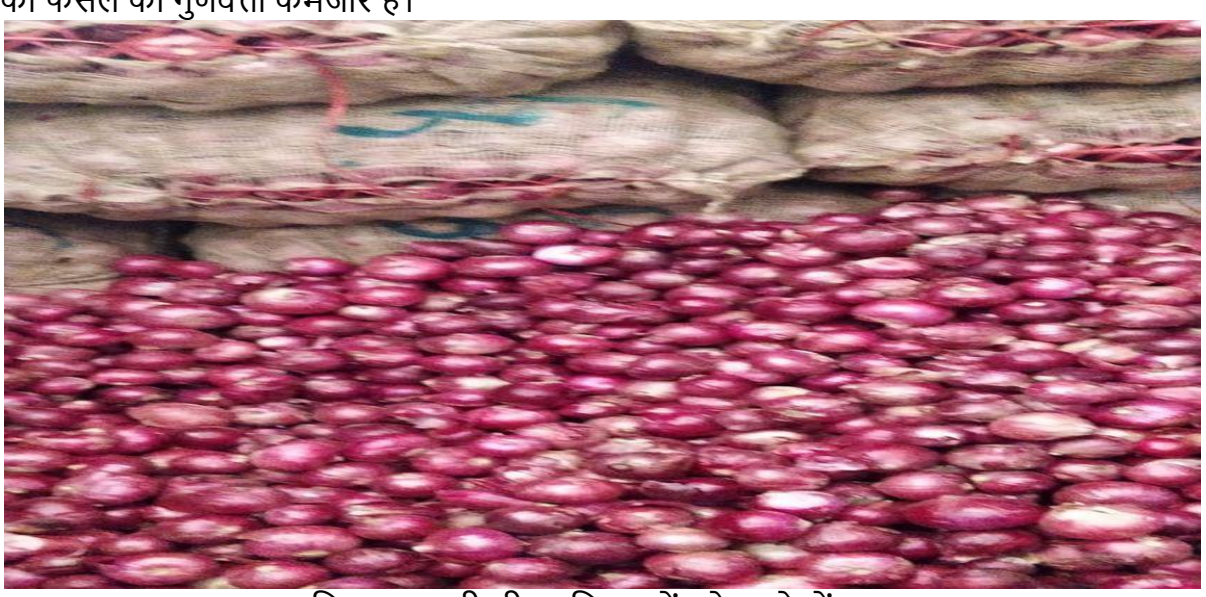

खूब बिका नकली बीज, किसानों को करोड़ों का नुकसान

यह रहे भाव

वर्ष 2018 में प्याज का बीज 2800 से 3000 रुपए प्रति क्विंटल बिका था। वर्ष 2019 में बढकऱ 4000 से 4200 रुपए तक पहुंचा गया और वर्ष 2020 में 4500-5000 रुपए प्रति क्विंटल तक बिका था। औसत प्याज का बीज 5 हजार से 6 हजार रुपए प्रति क्विंटल रहे है। तीन सालों में एक क्विंटल बीज की कीमत में 2 हजार से 3 हजार रुपए की बढ़ोतरी हुई है। किसान को एक हैक्टेयर भूमि के लिए कम से कम 25 क्विंटल बीज की जरूरत पड़ती है। प्याज की बुवाई और फसल तैयार होने तक मजदूरी, खाद और दवाई का खर्चा 1 हैक्टेयर पर करीब 50 से 60 हजार रुपए आता है।

एक बीघा में आता है 75 हजार का खर्चा

खैरथल के नाम से अस्सी के दशक में दिल्ली सहित देश-विदेशों में पहचान रखने वाली लाल प्याज अब अलवर के नाम से देश भर में अपनी पहचान बना चुकी है। अलवर जिले में अगस्त-सितंबर में लाल प्याज की बुवाई की जाती है। किसानों को एक बीघा प्याज की फसल बोने में करीब 75 हजार से 85 हजार रुपए प्रति बीघा के हिसाब से खर्चा हो रहा है।

Source: https://www.patrika.com/alwar-news/fake-seeds-sold-a-lot-farmers-lost-crores-7257893/